राजस्थान की कला संस्कृति (Part - 3rd)

राजस्थान की सभी प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु

महत्वपूर्ण 100 क्वेश्चन्स

Free Download Link

Click Here

Click Here

राजस्थान सामान्य ज्ञान

कला संस्कृति, भूगोल, इतिहास संपूर्ण राजस्थान जीके

सभी टॉपिक वाइज नोट्स व प्रश्नोत्तरी PDF

सभी भर्ती परीक्षाओं हेतु उपयोगी PDF

राजस्थान GK All PDF's

401. डूंगजी एवं जवाहरजी का संबंध किस क्षेत्र से है ?

(1) शेखावटी ✓ (2) मारवाड़

(3) हाड़ौती (4) वागड़ क्षेत्र

402. सूची - I को सूची - II के साथ सुमेलित कीजिये-

सूची - I (उपासना स्थल)	सूची - II (लोकदेवता)
A. गोगामेड़ी	1. पाबूजी
B. कोलू	2. गोगाजी
C. आसींद	3. हड़बूजी
D. भूंडोल	4. देवनारायण जी

कूट :

	A	B	C	D
(1)	1	2	3	4
(2)	4	3	1	2
(3)	2	1	4	3 ✓
(4)	2	1	3	4

403. देवनारायण जी के संदर्भ में असंगत बताइये-

(1) इनका वास्तविक नाम देवनारायण बगड़ावत था✓

(2) इन्हें विष्णु का अवतार माना जाता है

(3) देवनारायण जी की फड़ पर 1992 ई. में व देवनारायण जी पर 2011 में डाकटिकट जारी किया गया

(4) इनका प्रसिद्ध मेला आसींद, भीलवाड़ा में भरता है

404. किस लोकदेवता के आशीर्वाद से राव जोधा ने पुनः मण्डोर पर अधिकार करने में सफलता प्राप्त की -

(1) हड़बूजी ✓ (2) पाबूजी

(3) गोगाजी (4) मेहाजी

405. पोत, हांकर, सरी, आभूषण कहाँ पहना जाता है-

(1) नाक में (2) कानों में

(3) गले में ✓ (4) पैरों में

406. गोखरू नामक आभूषण पहना जाता है-

(1) सिर पर (2) पैर में

(3) कान में ✓ (4) कमर में

407. पुरुषों द्वारा पहने जाने वाला आभूषण कौनसा है -

(1) बोरला (2) मुरकियाँ ✓

(3) टड्डा (4) बंगड़ी

408. 'तेधड़' आभूषण पहना जाता है-

(1) स्त्रियों के सिर पर (2) स्त्रियों के पैरों में ✓

(3) स्त्रियों के हाथों में (4) स्त्रियों के कानों में

409. स्त्रियों का 'बाजूबन्द' आभूषण कहां पहना जाता है-

(1) कमर (2) गर्दन

(3) हाथ✓ (4) पैर

410. 'बल्लया' आभूषण कहाँ पहना जाता है-

(1) सिर पर (2) कान में

(3) नाक में (4) हाथों में ✓

411. चंपाकली आभूषण पहना जाता है-

(1) हाथों में (2) सिर पर

(3) पैरों में (4) गले में ✓

412. 'झेला, जमेला, पीपलपत्रा, अगोटया' शरीर के किस अंग के आभूषण हैं-

(1) कान ✓ (2) गला

(3) हाथ (4) पैर

413. 'कन्दोरा' नामक आभूषण औरतों द्वारा पहना जाता है -

(1) नाक (2) कान

(3) कमर ✓ (4) पांव

414. सुरलिया, औंगनिए, पता घिम्मा आभूषण महिलाए कहाँ पहनती हैं ?

(1) नाक में (2) कमर में

(3) सिर पर (4) कान में ✓

415. फोलरी एक है -

(1) पुरूषों के हाथ का आभूषण

(2) महिलाओं के हाथ का आभूषण

(3) महिलाओं के गले का आभूषण

(4) महिलाओं के पैर का आभूषण✓

416. रखन एवं चूंप आभूषण किस अंग का है।

(1) दांत ✓ (2) पैर

(3) कमर (4) गला

417. राजस्थान के आभूषण के बारे में असंगत बताइए -

(1) सिर - शीशफूल, मेमंद, रखड़ी।

(2) नाक - नथ, चुनी, चोंप, झालरा।

(3) गला - कंठी, मटरमाला, झालर, जंजीर।

(4) पैर - घुंघरू, पायल, नवरत्न, आरत।✓

418. स्त्रियों एवं पुरुषों द्वारा सम्मिलित रूप से पहना जाने वाला आभूषण है-

(1) कंगण, चुटकी (2) कमखंद, मंगलसूत्र

(3) चैन, अंगूठी ✓ (4) मूंदड़ी, तोडी

419. आतमसुख हैं -

(1) तेज सर्दी में पुरूषों द्वारा ओढ़ा जाने वाला वस्त्र। ✓

(2) भील पुरूषों द्वारा पगड़ी के स्थान पर बांधा जाने वाला वस्त्र।

(3) मुस्लिम महिलाओं द्वारा पहना जाने वाला वस्त्र।

(4) अविवाहित आदिवासी बालिकाओं की ओढ़नी।

420.पोमचा, लहरिया, मोठड़ा, धनक का संबंध हैं –

(1) राजस्थान में आभूषण के प्रकार

(2) राजस्थान में ओढणी के प्रकार ✓

(3) राजस्थान में विवाह की रस्में

(4) आदिवासियों के प्रमुख वाद्य यंत्र

421.तनसुख, ढेपाड़ा, का संबंध हैं –

(1) राजस्थानी वाद्य यंत्रों से (2) राजस्थानी लोकनृत्य से

(3) राजस्थानी वस्त्रों से ✓ (4) राजस्थानी प्रथाओं से

422.उदयशाही, अमरशाही, भीमशाही, स्वरूपशाही क्या हैं –

(1) कर (2) सिक्के

(3) पगड़ियां ✓ (4) ओढने के प्रकार

423.ऊन का बना हुआ वह वस्त्र जो सर्दी या वर्षा से बचाव हेतु ओढ़ा जाता हैं–

(1) आतमसुख (2) अचकन

(3) घूघी ✓ (4) पछेवड़ा

424.राजस्थान की किस पोशाक को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्रदान है–

(1) अंगरखी (2) मेवाड़ी पगड़ी

(3) जोधपुरी कोट ✓ (4) जयपुरी साफा

425.डुँगरशाही ओढनियां कहाँ की प्रसिद्ध है–

(1) डुँगरपुर (2) अलवर

(3) बाँसवाड़ा (4) जोधपुर ✓

426.ग्रामीण क्षेत्र में पुरूष शरीर के उपरी भाग में ..... पहनते है–

(1) अंगरखी (2) अचकन

(3) चुग्गा (4) उक्त सभी ✓

427.आदिवासी पुरूषों द्वारा पहने जाने वाली तंग धोती कहलाती है–

(1) नानडा (2) ढेपाड़ा ✓

(3) फुदड़ी (4) नेसाई

428.वधु के मामा की ओर से दी जाने वाली पोशाक कहलाती है–

(1) कोरणियों ✓ (2) चांदणी

(3) झूलौ (4) जांभौ

429.जोधपुर महाराजा अभयसिंह और सर बुलन्द खाँ के बीच हुए अहमदाबाद युद्ध का आँखों देखा वर्णन किस ग्रंथ में मिलता है–

(1) तारीक-ए-अलाई (2) हम्मीर महाकाव्य

(3) वंश भाष्कर (4) राज रूपक ✓

430.'पळकती प्रीत' के लेखक कौन है ?

(1) गजेसिंह राजपूरोहित ✓ (2) आशिष पुरोहित

(3) देवीलाल महिया (4) मिनाक्षी बोराणा

431.'मायड़ रो हेलो' रचना किसने लिखी–

(1) मेघराज मुकुल (2) केसरी सिंह

(3) मुरारीदान (4) कन्हैया लाल सेठिया ✓

432.निम्नलिखित में से कौन-सा ग्रन्थ जालौर के शासकों की उपलब्धि के बारे में बताता है–

(1) पृथ्वीराज विजय (2) हम्मीर महाकाव्य

(3) प्रबंधचिन्तामणि (4) कान्हड़दे प्रबंध ✓

433.'मारवाड़ रा परगना री विगत' का लेखक है–

(1) दयालदास (2) चारण शिवदास

(3) मुहणोत नैणसी ✓ (4) पद्मनाभ

434.''राज विनोद'' का रचयिता कौन था–

(1) नरौत्तम (2) सदाशिव भट्ट ✓

(3) श्यामल दास (4) किशोरदास

435.'लिंग्विस्टक सर्वे ऑफ इण्डिया' के लेखक हैं–

(1) जॉर्ज ग्रियर्सन ✓ (2) एल. पी. टेस्सीटोरी

(3) मोतीलाल मेनारिया (4) गैरी स्मिथ

436.निम्न में से असंगत बताइए –

(1) बीसलदेव रासौ – नरपति नाल्ह

(2) राव जैतसी रो छंद – बीठू सूजा

(3) रूक्मणी हरण – पृथ्वीराज राठौड़

(4) सगत रासौ – गिरधरसिंह राठौड़ ✓

437.'बोल म्हारी मछली कितो पाणी' रचित नाटक के लेखक कौन हैं ?

(1) किरण नाहटा (2) अर्जुनदेव चारण ✓

(3) नागराज शर्मा (4) श्रीलाल जी

438.राजिये रा सोरठा, वेलि किसन रूक्मणी री, ढ़ोला मारवण, मूमल आदि लोकप्रिय काव्य किस भाषा में रचित हैं ?

(1) ढूँढ़ाड़ी (2) हाड़ौती

(3) मारवाड़ी ✓ (4) मेवाड़ी

439.राजस्थानी लोक कथाओं के संग्रह 'बातां री फुलवारी' के लेखक कौन हैं ?

(1) सूर्यमल्ल मिश्रण (2) विजयदान देथा ✓

(3) नरोत्तम दास स्वामी (4) अमरचंद नाहटा

440.'बीसलदेव रासो' में अजमेर के चौहान शासक बीसलदेव एवं उनकी रानी राजमती की प्रेमगाथा का वर्णन हैं, इसका रचनाकार हैं ?

(1) सूर्यमल्ल मिश्रण (2) नरपति नाल्ह ✓

(3) मुहणौत नैणसी (4) कान्हा व्यास

441.'जमीण रो धणी कुण' एवं 'मींजर' पुस्तकों के रचयिता कौन हैं ?

(1) पंडित अम्बिका दत (2) लज्जाराम शर्मा

(3) सचिन्द्र उपाध्याय (4) कन्हैयालाल सेठिया ✓

442.ठाकुरजी रा दूहा, गंगाजी रा दूहा, दशम भागवत रा दूहा आदि ग्रंथों की रचना किसके द्वारा की गई –

(1) श्यामल दास (2) मुंशी देवी प्रसाद

(3) बांकीदास (4) पृथ्वीराज राठौड़ ✓

443.संगीत पर संगीतराज, संगीत मीमांसा, रसिकप्रिया और सूड़ प्रबंध आदि किसकी रचनाएं हैं ?

(1) महाराणा कुंभा ✓ (2) महाराजा अनूपसिंह

(3) सवाई प्रतापसिंह (4) राणा हम्मीर

444.मीरां पुरस्कार किसके द्वारा दिया जाता हैं –

(1) राजस्थान ब्रज भाषा अकादमी, जयपुर

(2) राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृत अकादमी, बीकानेर

(3) राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर

(4) राजस्थान साहित्य अकादमी, उदयपुर ✓

445.जैसलमेर का गुण्डा राज'' नामक पुस्तक किसने लिखी ?

(1) समर्थदान (मनीषी) (2) डॉ. सीताराम लालस

(3) डॉ. सुधीन्द्र (4) सागरमल गोपा ✓

446.कौनसा युग्म असंगत हैं–

(1) कुवलयमाला – उद्योतन सूरि

(2) ढोला मारू रा दूहा – कवि कल्लोल

(3) पृथ्वीराज रासो – चन्दवरदाई

(4) लीलटांस – ईसरदास ✓

447.''नहीं जानते कि इतना बड़ा मुद्रित ग्रंथ भारत की ही क्या जगत की किसी भाषा में है या नहीं।'' उपर्युक्त कथन किस ग्रंथ के बारे में कहा गया है ?

(1) राग रत्नाकर (2) राग कल्पद्रुम ✓

(3) वंश भास्कर (4) श्रृंगार हार

448.'हूँ गौरी किण पीव री' नामक प्रसिद्ध उपन्यास के रचियता कौन हैं–

(1) रांगेय राघव (2) विजयदान देथा

(3) यादवेन्द्र शर्मा 'चन्द्र' ✓ (4) कन्हैयालाल सेठिया

449.पूर्वी राजस्थान के मध्य पूर्व भाग की प्रधान बोली हैं–

(1) रांगड़ी (2) ढूंढाड़ी ✓

(3) मेवाती (4) बागड़ी

450.मालवी बोली कहां-कहां बोली जाती हैं-

(1) झालावाड़, कोटा व प्रतापगढ़ ✓

(2) कोटा, बूंदी व प्रतापगढ़

(3) प्रतापगढ़, बून्दी व झालावाड़

(4) कोई नहीं

451.असंगत बताइये-

बोली		क्षेत्र
(1) हाड़ौती	-	कोटा, बूंदी, बांरा, झालावाड़
(2) अहीरवाटी	-	बांसवाड़ा, उदयपुर, प्रतापगढ़ ✓
(3) खैराड़ी	-	शाहपुरा (भीलवाड़ा) व बूंदी
(4) गोड़वाड़ी	-	जालौर व सिरोही जिलों में

452.गोगाजी व मोहम्मद गजनवी के मध्य हुए युद्ध का वर्णन किस ग्रंथ में है ?

(1) हम्मीर हठ (2) गाजीन

(3) कायम खां रासौ ✓ (4) तुलुक-ए-बीन

453.निम्नलिखित बोलियों में से कौन-सी ढूँढ़ाड़ी की उप बोली नहीं है-

(1) देवड़ावाटी ✓ (2) तोरावाटी

(3) राजावाटी (4) नागरचोल

454.राजस्थान की किस बोली पर मराठी भाषा का प्रभाव है-

(1) मारवाड़ी (2) ढूंढ़ाड़ी

(3) मेवाड़ी (4) मालवी ✓

455.मेवाड़ी, ढूँढ़ाड़ी एवं हाड़ौती का मिश्रण हैं ?

(1) खैराड़ी ✓ (2) रांगड़ी

(3) गौड़वाड़ी (4) मालवी

456.राजस्थानी भाषा, साहित्य एवं संस्कृति अकादमी स्थित हैं ?

(1) उदयपुर (2) जयपुर

(3) बीकानेर ✓ (4) जोधपुर

457.मारवाड़ी बोली का साहित्यिक रूप है-

(1) पिंगल (2) देवनागरी

(3) डिंगल ✓ (4) संस्कृत

458.लालदासी एवं चरणदासी संत-सम्प्रदायों का साहित्य किस भाषा में रचा गया हैं -

(1) ढूंढाड़ी (2) मेवाती ✓

(3) मालवी (4) नीमाड़ी

459.महाजन व व्यापारी लोग बहिखातों में राजस्थानी का शुद्ध रूप न लेकर अशुद्ध लिपि का प्रयोग करते हैं क्या कहलाती हैं -

(1) देवनागरी (2)ब्राह्मणी

(3) मुडिया ✓ (4) इनमें से कोई नहीं

460.ढाटकी, थली, खैराड़ी, नागौरी, बागड़ी क्या हैं-

(1) गोटे के प्रकार (2) पगड़ियों के प्रकार

(3) पशु की नस्लें (4) बोली के प्रकार ✓

461.महाराणा कुंभा द्वारा रचित नाटकों में किस भाषा का प्रयोग किया गया -

(1) हाड़ौती (2) ढूंढाड़ी

(3) मेवाड़ी ✓ (4) मारवाड़ी

462.दादू के उपदेशों की भाषा थी -

(1) ब्रज (2) गुजराती

(3) खड़ी बोली (4) सधुक्कड़ी ✓

463.रांगड़ी बोली किस बोलियों का मिश्रण है -

(1) शेखावाटी, देवड़ावाटी (2) मालवी, मारवाड़ी ✓

(3) खेराड़ी, नीमाड़ी (4) मालवी, मेवाड़ी

464.बेवाण' क्या है-

(1) लकड़ी से बने देव विमान ✓

(2) पूजा के थाल

(3) छपाई में प्रयुक्त लकड़ी के छापे

(4) मांगलिक अवसरों पर लकड़ी के पात्र

465.कुदरतसिंह को राजस्थान की किस हस्तकला में योगदान के लिए पद्मश्री पुरस्कार से अलंकृत किया गया है ?

(1) कपड़े की छपाई (2) मीनाकारी ✓

(3) पीतल पर मुरादाबादी काम (4) ब्लू पॉटरी

466.राजस्थान का मोलेला गाँव किस हस्तकला के लिए प्रसिद्ध है-

(1) टेराकोटा ✓ (2) मीनाकारी

(3) ब्ल्यू पॉटरी (4) थेवाकला

467.मिस्कीनदास, बखनाजी व बालिन्दजी किस संत के शिष्य थे।

(1) दादूदयालजी ✓ (2) जांभोजी

(3) लालदासजी (4) चरणदासजी

468.भोजन, पूजा के थाल आदि के नीचे रखी जाने वाली चौकी क्या कहलाती हैं ?

(1) खाड़े (2) चौपड़े

(3) पातरे (4) बाजोट ✓

469.राजस्थान में कागज पर जो चित्र उकेरे जाते है, उन्हें कहते हैं-

(1) पथवारी (2) पाना ✓

(3) मांडणा (4) फड़

470.कावड़ हैं-

(1) मंदिरनुमा कई कपाट वाली काष्ठ चित्रित कलाकृति ✓

(2) लकड़ी की बनी तुला

(3) अनाज रखने हेतु प्रयुक्त कलात्मक पात्र

(4) मिट्टी के बने कलात्मक घोड़े

471.रायका तथा रेबारी जाति द्वारा ऊँट के शरीर के बालों को कतर कर शरीर पर कई तरह की आकृति उकेरने की कला क्या कहलाती है ?

(1) कोफ्तगिरी (2) जट कतराई ✓

(3) तारकशी (4) इनमें से कोई नहीं

472.पीतल के बर्तनों पर खुदाई कर कलात्मक नक्काशी का कार्य कहलाता हैं -

(1) थेवा कला (2) कुंदन कला

(3) कोफ्तगिरी (4) मुरादाबादी ✓

473.नाथद्वारा के पास मोलेला गांव प्रसिद्ध हैं ?

(1) कोटा डोरियां साड़ियों के लिए (2) टेराकोटा के लिए ✓

(3) हस्तनिर्मित कागज के लिए (4) पाबूजी की फड़ के लिए

474.निम्न में से असंगत कथन की पहचान कीजिए -

(1) बगरू (जयपुर) - छपाई के लिए प्रसिद्ध

(2) बाड़मेर - अजरख प्रिंट के लिए प्रसिद्ध

(3) चितौड़गढ़ - जाजम छपाई के लिए प्रसिद्ध

(4) सीकर - कोफ्तगिरी के लिए प्रसिद्ध ✓

475.बादला उद्योग जोधपुर का प्रसिद्ध हैं, बादले का संबंध हैं ?

(1) पानी भरने के लिए बने धातु के पात्र ✓

(2) राजस्थान का प्रसिद्ध आभूषण

(3) पानी भरने के लिए बना कपड़े का पात्र

(4) राजस्थान के प्रसिद्ध सूती वस्त्र उद्योग

476.गुलाबो किस क्षेत्र में विख्यात है-

(1) राजस्थानी लोक नृत्य ✓ (2) राजस्थानी लोक गायन

(3) राजस्थानी लोक कला (4) राजस्थानी लोक संगीत

477.निम्न विधाएं किस नृत्य से संबंधित है-

(1) नृत्य में तेज लय में विविध रंगों की पगड़ियों को हवा से फैलाकर अपनी उंगलियों से कमल का फूल बना लेना

(2) सिर पर सात-आठ मटके रखकर नृत्य करना

(3) जमीन पर फैला हुआ पड़ा रूमाल उठाना

(4) गिलासों पर नाचना एवं थाली के किनारों पर नृत्य करना

(1) तेरहताली नृत्य (2) घूमर नृत्य

(3) भवाई नृत्य ✓ (4) नेजा नृत्य

478. चरी नृत्य के संबंध में असंगत है।

(1) अजमेर किशनगढ़ में प्रसिद्ध (2) गुर्जर जाति का नृत्य

(3) तीजन बाई प्रसिद्ध नृत्यांगना✓ (4) मांगलिक नृत्य है

479. किस नृत्य का संबंध गरासियों से नहीं है।

(1) वालर (2) मांदल

(3) गैर ✓ (4) जवारा

480. राजस्थान का कौनसा नृत्य यूनेस्कों की विश्व धरोहर सूची में शामिल है।

(1) तेरहताली (2) कालबेलिया ✓

(3) गीदड़ (4) गैर

481. मिलान करें -

नृत्य	जाति
(1) वालर	**A. कंजर**
(2) शिकारी	**B. सहरिया**
(3) गैर	**C. गरासिया**
(4) चकरी	**D. भील**

कूट :

	1	2	3	4
(1)	A	B	C	D
(2)	B	A	C	D
(3)	C	B	D	A ✓
(4)	D	B	C	A

482. बमरसिया कौन से क्षेत्र का एक लोकप्रिय लोकनृत्य है -

(1) मारवाड़ (2) शेखावाटी

(3) जालौर (4) अलवर-भरतपुर ✓

483. किस नृत्य को राई नृत्य कहा जाता हैं -

(1) नेजा (2) गवरी ✓

(3) झूमरा (4) गैर

484. मिलान कर सही कूट का चयन करें-

नृत्य	जाति
A. शंकरिया	**1. गरासिया**
B. चकरी	**2. भील**
C. गैर	**3. कंजर**
D. वालर	**4. कालबेलिया**

(1) 1, 2, 3, 4 (2) 4, 3, 2, 1 ✓

(3) 4, 3, 1, 2 (4) 3, 4, 1, 2

485. कौनसा नृत्य व्यावसायिक श्रेणी का नहीं है।

(1) कालबेलिया (2) कच्छी घोड़ी

(3) भवाई (4) गैर नृत्य ✓

486. असंगत बताइये -

वाद्य	वाद्य प्रकार
(1) सारंगी	- तत् वाद्य
(2) पूंगी	- सुषिर वाद्य
(3) सतारा	- तत् वाद्य ✓
(4) नगाड़ा	- अवनद्ध या ताल वाद्य

487. असंगत बताइये -

वाद्य	वाद्य यंत्र
(1) तत् वाद्य	- रावणहत्था, मशक, भपंग, इकतारा ✓
(2) सुषिर वाद्य	- बांसुरी, भूंगल, नागफणी, करणा
(3) घन वाद्य	- करताल, लेजिम, खड़ताल
(4) अवनद्ध वाद्य	- ढ़ोलक, मृदंग, खंजरी

488.असंगत बताइये-

वाद्य यंत्र	संबंधित वादक
(1) सितार	- पंडित रविशंकर, विलायत खां
(2) तबला	- जाकिर हुसैन, लतीफ खां
(3) बांसुरी	- हरिप्रसाद चौरसिया, राजेन्द्र कुलकर्णी
(4) सरोद	- शिवकुमार शर्मा, उस्ताद बिन्दु खां ✓

489.तारपी, पावरी, थालीसरा, टापरा है -

(1) आदिवासियों का लोक नृत्य

(2) आदिवासियों के लोक वाद्य यंत्र ✓

(3) आदिवासियों के लोक नृत्य

(4) आदिवासियों की खेती के प्रकार

490.मंदिरों तथा राजा-महाराजाओं के महलों के मुख्य द्वार पर बजाए जाने वाला वाद्य यन्त्र है-

(1) ताशा (2) नगाड़ा

(3) नौबत ✓ (4) ढोल

491.मुँह से बजाया जाने वाला वाद्ययंत्र है -

(1) ताशा (2) इकतारा

(3) अलगौजा ✓ (4) नौबत

492.वाद्य यंत्र 'टामक' का संबंध.....क्षेत्र से है-

(1) मेवात ✓ (2) मारवाड़

(3) मेरवाड़ा (4) मेवाड़

493.साकर खान को 2012 में किस लोक वाद्य में प्रवीणता के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया गया-

(1) कामायचा ✓ (2) सारंगी

(3) मोरचंग (4) खडताल

494.चौतारा, कामायचा कौन से लोकवाद्य परंपरा से जुड़े हैं ?

(1) सुषिर वाद्य (2) तत् वाद्य ✓

(3) अवनद्ध वाद्य (4) घन वाद्य

495.कमायचा, खड़ताल व सुरणाई वाद्य यंत्रों का प्रयोग किस जाति के द्वारा किया जाता हैं -

(1) ढाढ़ी (2) मांगणियार ✓

(3) राव (4) भाट

496.जयपुर संगीत घराने के प्रवर्तक है ?

(1) आलिया फतू (2) सूरत सैन

(3) बहराम खां डागर (4) मनरंग ✓

497.सारंग संगीत किस समय गाया जाता है -

(1) प्रातः काल (2) दोपहर काल ✓

(3) सायंकाल (4) मध्यरात्रि

498.भीलों का प्रसिद्ध लोकगीत जिसे स्त्री-पुरूष साथ मिलकर गाते हैं,

(1) सुवटिया (2) झोरावा

(3) सुपणा (4) हमसीढ़ो ✓

499.कोयलड़ी, कुरजाँ, पपैयो, सुवंटिया है।

(1) राज्य के लोक नृत्य (2) राज्य के लोक गीत ✓

(3) राज्य के राज्य चिह्न (4) राज्य के लोक वाद्य यंत्र

500.''घोड़ी म्हारी चंद्रमुखी सी, इन्द्रलोक सूँ आई हो राज'' यह गीत किस अवसर पर गाया जाता हैं -

(1) बारात निकासी के समय ✓ (2) दुल्हन की विदाई के समय

(3) युद्ध लड़ने जाते समय (4) युद्ध में विजय के बाद

Click Here : More PDF"S